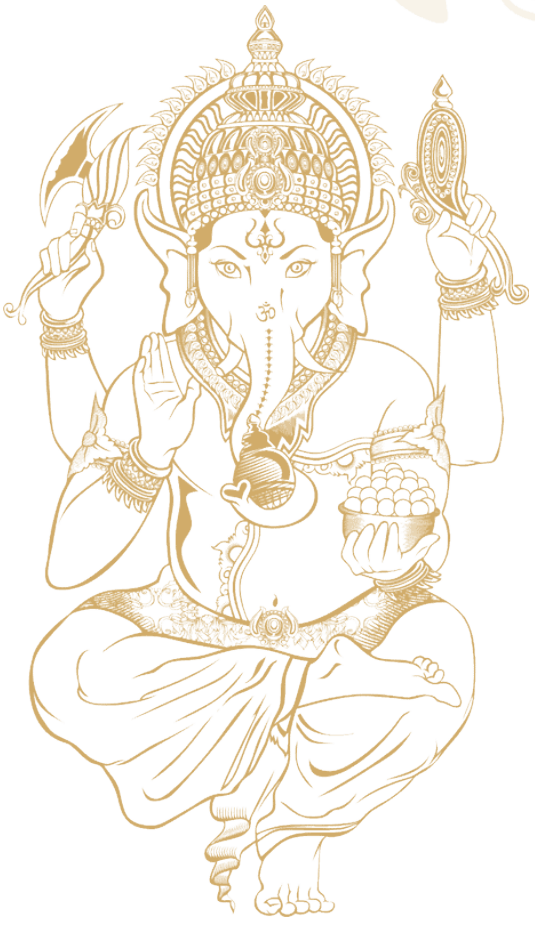

Mr.Anirudh Bhandari

Ms.Chetana Bajaj

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121118502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/05/2002	जन्म तिथि	18/02/2002
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 16:15:00	जन्म समय	08:10:00 घंटे
घटी 26:02:56	जन्म समय(घटी)	03:40:32 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Hyderabad
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	17:22:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	78:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:49:49	सूर्योदय	06:41:47
18:36:50	सूर्यास्त	18:18:51
23:53:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:57

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 0वर्ष 4मा 2दि	16:30:44	कन्या	लग्न	मीन	01:29:14	केतु 2वर्ष 6मा 19दि
राहु	18:56:23	मेष	सूर्य	कुंभ	05:22:47	सूर्य
04/09/2019	09:14:44	मक	चंद्र	मेष	08:28:14	07/09/2024
04/09/2037	19:27:48	वृष	मंगल	मीन	27:54:47	08/09/2030
राहु 18/05/2022	09:43:49	वृष	बुध	मक	09:06:12	सूर्य 26/12/2024
गुरु 10/10/2024	17:26:15	मिथु	गुरु व	मिथु	11:57:37	चन्द्र 27/06/2025
शनि 17/08/2027	15:28:23	वृष	शुक्र	कुंभ	13:42:08	मंगल 01/11/2025
बुध 06/03/2030	19:54:22	वृष	शनि	वृष	14:14:40	राहु 26/09/2026
केतु 24/03/2031	24:32:34	वृष	राहु व	मिथु	00:42:21	गुरु 15/07/2027
शुक्र 24/03/2034	24:32:34	वृश्चि	केतु व	धनु	00:42:21	शनि 26/06/2028
सूर्य 16/02/2035	04:34:22	कुंभ	हर्ष	कुंभ	01:11:29	बुध 03/05/2029
चन्द्र 16/08/2036	17:04:08	मक	नेप	मक	15:20:48	केतु 08/09/2029
मंगल 04/09/2037	23:15:09	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:29:05	शुक्र 08/09/2030

लग्न-चलित

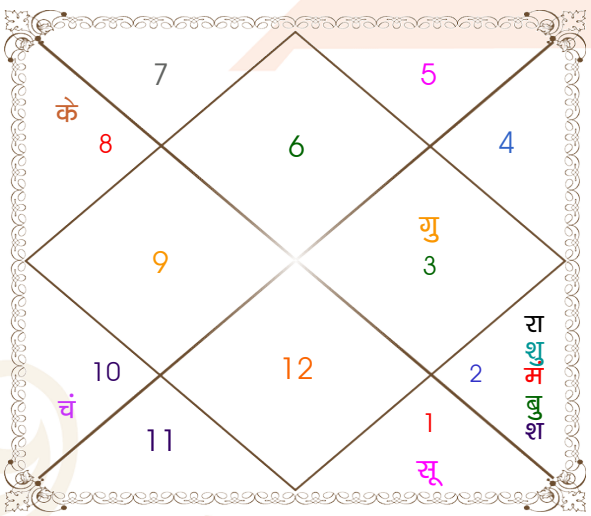

लग्न-चलित

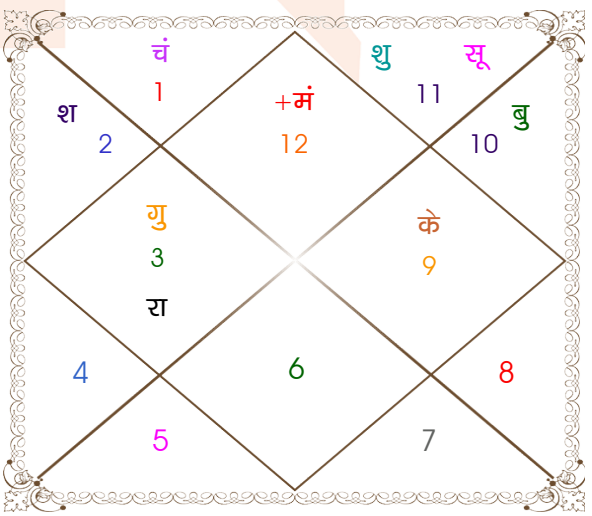

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डतण ।दपतनकी ठींदकंतप का वर्ग सिंह है तथा डेण्बैमजंदं ठंरंर का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ।दपतनकी ठींदकंतप और डेण्बैमजंदं ठंरंर का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ।दपतनकी ठींदकंतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डेण्बैमजंदं ठंरंर मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

डतण ।दपतनकी ठींदकंतप तथा डेण्बैमजंदं ठंरंर में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।